पाठ - 8 बसंत मेरे गाँव का (लेख) कार्यपत्रिका

1. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

बसंत फूलदेई त्योहार को लेकर आता है । देर शाम तक बच्चे फूल चुनते हैं । इन फूलों को रिंगाल से बनी खास तरह की टोकरियों में रखा जाता है । टोकरियों को रात भर पानी से भरी गागरों के ऊपर रखा जाता है ताकि वे सुबह तक मुरझा न पाएँ । सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं । पिछली शाम चुने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं ।

1. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) बच्चियाँ फूल चुनने लगा । (ख) बच्चियाँ फूल चुनने लगे ।
(ग) बच्चियाँ फूल चुनने लगी । (घ) बच्चियाँ फूल चुनने लगीं ।

2. उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में बच्चों का सबसे बडा त्योहार कौन–सा है ? 1

(क) दीपावली (ख) ओणम (ग) फूलदेई (घ) होली

3. फूलदेई त्योहार का वर्णन करते हुए मित्र के नाम अपना **पत्र** तैयार करें । 4

2. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का 'लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं । पिछली शाम चुने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं । जिनके घरों में फूल सजाए जाते हैं वे बच्चों को चावल, गुड, दाल आदि देते हैं । दक्षिणा में मिली यह सामग्री पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है । फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है । अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है ।

1. घरवाले बच्चों को दक्षिणा के रूप में क्या–क्या देते हैं ? 1
2. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) टोलियाँ गाँव भर में घूमने लगे । (ख) टोलियाँ गाँव भर में घूमने लगा ।
(ग) टोलियाँ गाँव भर में घूमने लगीं । (घ) टोलियाँ गाँव भर में घूमने लगी ।

3. उत्तराखंड कला समिति के नेतृत्व में दहरादून में फूलदेई का त्यौहार मनाया गया। इसपर **रपट** तैयार करें । 4

3. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

देर शाम तक बच्चे फूल चुनते हैं । इन फूलों को रिंगाल से बनी खास तरह की टोकरियों में रखा जाता है । टोकरियों को रात भर पानी से भरी गागरों के ऊपर रखा जाता है ताकि वे सुबह तक मुरझा न पाएँ । सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं । पिछली शाम चुने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं ।

1. **फूल न मुरझाएँ**; इसकेलिए बच्चा क्या करते हैं ? 1
2. **नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें ।** 1

बच्चा मीठी आवाज़ बजाता है । बच्चे से मीठी आवाज़ बजायी जाती है ।
लडका नया घर सजाता है । लडके से नया घर ----------- ।

3. फूलदेई त्यौहार के विशेषताओं के बारे में एक **टिप्पणी** तैयार करें । 4

4. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं । पिछली शाम चुने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं । जिनके घरों में फूल सजाए जाते हैं वे बच्चों को चावल, गुड, दाल आदि देते हैं । दक्षिणा में मिली यह सामग्री पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है । फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है ।

1. **सही विकल्प चुनकर लिखें ।** 1

(क) वह + केलिए = उनकेलिए (ख) वे + केलिए = उनकेलिए
(ग) यह + केलिए = उनकेलिए (घ) ये + केलिए = उनकेलिए

2. कई साल के बाद लेखक मुकेश नौटियाल अपने गाँव आकर फूलदेई के त्यौहार में भाग लेते हैं । नौटियाल की उस दिन की **डायरी** कल्पना करके लिखें । 4
3. उत्तराखंड कला समिति के नेतृत्व में दहरादून में फूलदेई का त्यौहार मनाया जाता है । इसके प्रचार के लिए एक **पोस्टर** लिखें । 4

5. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है । अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है । इस आयोजन में बडों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित होती है । बाकी सारे काम बच्चे करते हैं । उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बडा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है ।

SREEJITH R KOVOOR VARKALA, SCRT45

1. फूलदेई का त्यौहार कहाँ मनाया जाता है ? 1
2. हमारे इलाके में भी कई प्रकार के त्यौहार मनाते हैं। अपने इलाके के एक त्यौहार का वर्णन करते हुए **टिप्पणी** लिखें। 4
3. ' पर्यावरण दिवस समारोह ' केलिए एक **पोस्टर** तैयार करें।

6. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें।

फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है । अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है। इस आयोजन में बडों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित होती है । बाकी सारे काम बच्चे करते हैं । उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बडा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है । उधर बच्चे फूलदेई के जश्न में शामिल होते हैं इधर बडे ढोल-ढमाऊ की थाप पर चैती गीत गाते हैं। इन गीतों में पांडवों की हिमालय यात्रा के किस्से होते हैं और पहाड के वीरों की शौर्य गाथाएँ भी शामिल होती हैं।

2. **नमूने के अनुसार लिखें।** 1

लडके भोज पकाते हैं। लडकों से भोज पकाया जाता है।
बच्चे भोज बनाते हैं। ---------------------------------- ।

3. उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई को बच्चों को सबसे बडा त्यौहार मानते हैं। क्यों ? 2

4. मौसम के आधार पर भारत की सामाजिक गतिविधियाँ बदलती रहती हैं। यहाँ की ऋतुओं की बातों तो बिलकुल अनोखी हैं। हर ऋतु के साथ कई त्यौहार भी जुडे हैं। मौसम और त्यौहार विषय पर **निबंध** तैयार करें।

7. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें।

सूरज खिसककर जब नंदा पर्वत तक पहुँचता है तो पहाडों में फ्योंली के पीले फूल खिलने लगते हैं। पहाडी ढलानों पर खूबसूरती से कटे सीढीनुमा खेतों में गेहूँ की हरियाली के बीच सरसों की पीलाई पसर जाती है। बसंत बौराने लगता है। बसंत फूलदेई का त्यौहार लेकर आता है।

1. **' बसंत बौराने लगता है '–** इसका मतलब क्या है ? 1

1. फूलदेई त्यौहार में गाए जानेवाले चैती गीत में किन-किन के किस्से होते हैं ? 1
2. फूलदेई त्यौहार के बारे में पत्रकार और गाँववाले के बीच का **वार्तालाप** लिखें। 4

8. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें।

फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है । अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है। इस आयोजन में बडों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित होती है । बाकी सारे काम बच्चे करते हैं । उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बडा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है । बसंत की गुनगुनी धूप जब दोपहरी में तपाने लगती है तब ऊँचे हिमालय शिखरों पर बुराँस चटकने लगते हैं। बुराँस के फूल पहाडों पर शानदार लालिमा बिछा देते हैं।

1. बुराँस के फूलों का रंग क्या है ? 1

(क) हरा (ख) पीला (ग) लाल (घ) सफेद

2. फूलदेई त्योहार के आयोजन में बडों की भूमिका क्या है ? 1

(क) आयोजक की (ख) सलाहकार की (ग) सहायक की (घ) संचालक की

3. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें।** 2

- फूल खिलते हैं। (पीले, पहाडों पर)
- खूबसूरत फूल खिलते हैं।
- ----------------।
- ----------------।

9. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 4 तक के उत्तर लिखें।

ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं । महीनों तक फैले चरागाहों, घने जंगलों और अनजान बस्तियों में भटकने के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । वे गीत गाते हैं, नाचते हैं। पशुचारकों के साथ उनकी भेड –बकरियाँ, घोडे–खच्चर और कुत्ते भी होते हैं । रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन –देन भी होता रहता है। वे जानवरों के साथ–साथ कीडाजडी, करण और चुरु जैसी दुर्लभ हिमालयी जडी व औषधियाँ भी बेचते हैं।

1. पशुचारक रास्ते में गाँववालों से क्या–क्या बेचते हैं ? 1
3. कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें। 2

- लेन देन चल रहा है। (आपसी विश्वास के, वर्षों से)
- दम पर लेन देन चल रहा है।
- ------------------|
- ------------------|

4. ' नकद–उधार के आंकडे कहीं दर्ज़ नहीं होते '- आपसी विश्वास के दम पर चलते लेन देन का **रपट** तैयार करें। 4

10. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं । महीनों तक फैले चरागाहों, घने जंगलों और अनजान बस्तियों में भटकने के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । वे गीत गाते हैं, नाचते हैं । पशुचारकों के साथ उनकी भेड –बकरियाँ, घोडे–खच्चर और कुत्ते भी होते हैं । रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन –देन भी होता रहता है ।

1. पशुचारकों की खुशी का कारण क्या है ? 1
   (क) गंगा में पानी की धारा तेज़ है । (ख) सूरज तप रहा है ।
   (ग) महीनों के बाद घर लौटने का समय आया है । (घ) ठंड का मौसम शुरू हुआ है ।
2. पशुचारक अपनी पुरानी वसूली कब की जाती है ? 1
3. मनुष्य और प्रकृति के आपसी संबंध - का संदेश देनेवाला एक **पोस्टर** तैयार करें । 4

11. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं । महीनों के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । पशुचारकों के साथ उनकी भेड –बकरियाँ, घोडे–खच्चर और कुत्ते भी होते हैं । रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन–देन भी होता रहता है ।

1. ' नकद–उधार के आंकडे कहीं दर्ज़ नहीं होते । '– यहाँ के लोगों की कौन–सी विशेषता यहाँ प्रकट होता है ? 1
   (क) धोखेबाज़ हैं । (ख) सामान खरीदने के बाद दाम न देनेवाले हैं ।
   (ग) कामचोर हैं । (घ) आपसी विश्वास रखनेवाले हैं ।
2. अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है ।- पशुचारकों की महीनों तक के पहाडी जीवन पर **टिप्पणी** लिखें । 2
3. ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं । रास्ते में गाँववालों से उनका लेन–देन होता है । प्रस्तुत अंश के आधार पर **पटकथा** तैयार करें । 4

12. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

इन गाँवों से इनका सदियों का रिश्ता है , इसीलिए उसी वक्त पूरी कीमत चुकाना ज़रूरी नहीं होता । बर्फीले मौसम में निचले इलाकों की ओर जाते वक्त पुरानी वसूली की जाती है ।मज़े की बात है कि नकद –उधार के आंकडे कहीं दर्ज़ नहीं होते । आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से यहाँ ये लेन–देन चल रहा है ।

1. **सही विकल्प चुनकर लिखें ।** 1
   (क) जो + को = जिससे (ख) जो + से = जिससे (ग) जिस + से = जिससे (घ) जिस + को = जिससे
2. ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से पशुचारक निचले इलाकों में क्यों उतरते हैं ? 1
3. आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से यहाँ ये लेन–देन चल रहा है । - इस प्रसंग के आधार पर हिमालय अंचल की संस्कृति के बारे में **लघु लेख** लिखें । 4

13. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक का उत्तर लिखें ।

ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं । महीनों तक फैले चरागाहों, घने जंगलों और अनजान बस्तियों में भटकने के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । वे गीत गाते हैं, नाचते हैं । पशुचारकों के साथ उनकी भेड–बकरियाँ, घोडे–खच्चर और कुत्ते भी होते हैं । रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन–देन भी होता रहता है । वे जानवरों के साथ–साथ कीडाजडी, करण और चुरु जैसी दुर्लभ हिमालयी जडी व औषधियाँ भी बेचते हैं ।

1. **सही विकल्प चुनकर लिखें ।** 1
   (क) वह + को = उससे (ख) वह + से = उससे (ग) वही + से = उससे (घ) वही + को = उससे
2. आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से यहाँ लेन–देन चल रहा है ।– यहाँ गाँववालों की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है ? 2
3. रास्ते में आनेवाले गाँवों से पशुचारकों का लेन–देन होता है । प्रस्तुत प्रसंग पर पशुचारक और गाँववालों के बीच हुए संभावित **वार्तालाप** कल्पना करके तैयार करें । 4

14. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं । महीनों के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । पशुचारकों के साथ उनकी भेड –बकरियाँ, घोडे–खच्चर और कुत्ते भी होते हैं । रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन–देन भी होता रहता है ।

1. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) वे लेन-देन की जाती हैं। (ख) उनसे लेन-देन किया जाता है।
(ग) वे लेन-देन किया जाते हैं। (घ) उनसे लेन-देन की जाती है।

2. पशुचारकों और गाँववालों के आपसी विश्वास के संबंध में पशुचारक और लेखक के बीच का **वार्तालाप** तैयार करें। 4

3. इस दिवस के घटनाओं के बारे में एक पशुचारक अपनी डायरी लिखता है। वह **डायरी** तैयार करें। 4

15. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें।

सदियों से यह ऋतु –चक्र यूँ ही चलता आ रहा है । हिमालय अपनी जगह मौजूद है और सूरज मुस्तैदी से अपनी यात्रा कर रहा है । पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से जब सूरज प्रकट होता है तब मेरे गाँव में हाड़कँपा देनेवाली ठंड पडती है । सूरज जब चौखंभा के शिखर से उगता है तब जेठ की गर्मी चरम पर होती है। इन दोनों पर्वतों के बीच खडे नंदा पर्वत के आसपास सूरज की उपस्थिति मेरे गाँव में बसंत के बौराने का प्रतीक है। दादी कहती थीं - जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।

1. **सही विकल्प चुनकर लिखें।** 1

(क) वे + ने = उन्हें (ख) वे + को = उन्हें (ग) वे + से = उन्हें (घ) वे + में = उन्हें

2.' जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।'- इसका क्या तात्पर्य है ? 2

2. **सही मिलान करके लिखें।** 4

हिमालय अपनी जगह मौजूद है	हाड़कँपा देनेवाली ठंड पडती है।
चौखंभा के पीछे से उगता है	गाँव में बसंत बौराने लगता है।
पंचाचूली के शिखर से प्रकट होता है	सूरज मुस्तैदी से अपनी यात्रा कर रहा है।
नंदा पर्वत के आसपास आता है	जेठ की गर्मी चरम पर होती है।

16. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें।

सदियों से यह ऋतु–चक्र यूँ ही चलता आ रहा है। हिमालय अपनी जगह मौजूद है और सूरज मुस्तैदी से अपनी यात्रा कर रहा है। पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से जब सूरज प्रकट होता है तब मेरे गाँव में हाड़कँपा देनेवाली ठंड पडती है। सूरज जब चौखंभा के शिखर से उगता है तब जेठ की गर्मी चरम पर होती है। इन दोनों पर्वतों के बीच खडे नंदा पर्वत के आसपास सूरज की उपस्थिति मेरे गाँव में बसंत के बौराने का प्रतीक है। दादी कहती थीं - जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।

1. " जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।" - ऐसा किसने कहा ? 1

(क) लेखक ने (ख) गाँववाले ने (ग) पशुचारक ने (घ) दादी ने

2. **नमूने के अनुसार लिखें।** 1

महात्मा अच्छा भजन गाते हैं। महात्माओं से अच्छा भजन गाया जाता है।
नेता मीठी कहानी सुनाते हैं। -- ।

3. मनुष्य और प्रकृति के आपसी संबंध विषय पर **लेख** लिखें। 4

* जीवन का आधार * ज्ञान का श्रोत * प्रकृति सब केलिए * प्रकृति का संरक्षण

17. सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें।

सूरज जब चौखंभा पर्वत के ठीक पीछे से उदय होने लगता है तब जेठ सुरू हो जाता है। पहाड की सडकें गाडियों से भर जाती हैं। अपने घर की छत से जब मैं बद्रीनाथ यात्रा-मार्ग की भीड देखता हूँ तो भूल जाता हूँ कि महज दो महीने पहले यह घाटी एकदम शांत थी।

1. **नमूने के अनुसार बदलकर लिखें।** 1

वह मीठे फल खाता है। उससे मीठे फल खाये जाते हैं।
वे अच्छे फूल लाते हैं। ------------------------------ ।

2. सही विकल्प चुनकर लिखें। 1

(क) वह + का = उनका (ख) यह + का = उनका (ग) वे + का = उनका (घ) ये + का = उनका

2. **सही मिलान करें।** 4

दो महीने पहले	जेठ शुरू होता है।
घर की छत से	गाडियों से भर जाती हैं।
पहाडियों की सडकें	घाटी एकदम शांत थी।
चौखंभा के पीछे से सूरज उगता है	मैं भीड देखता हूँ।

SREENATH KOVOOR VARKALA, SCRIPS